

**लाशा** वि. (फा.) अत्यंत दुर्बल, क्षीणकाय पुं. मृत शरीर, शव, लाश।

**लाष** स्त्री. (तद्.) लाक्षा, लाख।

**लाषना** स.क्रि. (तद्.) लाखना (लाखा का प्रयोग करना) लाख लगाना।

**लास** पुं. (तत्.) 1. लसित या शोभित होने का भाव या क्रिया या भाव 2. जूस, रस, शोरबा 3. नृत्य 4. रास 5. शोभा छवि 6. चमक, आभा, कांति 7. हर्ष, खुशी, उल्लास स्त्री. लाश, शव (तुर्की) 8. मस्तूल में लटकाए जाने वाले पाल बांधने में प्रयुक्त छड़ के दोनों कोने।

**लासक** पुं. (तत्.) 1. कोमल अंग-भंगी से युक्त नृत्य प्रस्तुत करने वाला नर्तक, नचैया, नाचने वाला 2. इधर-उधर हिलने-डुलने वाला 3. खिलाड़ी 4. क्रीड़ाप्रिय व्यक्ति, क्रीडारस 5. मोर 6. शिव 7. घड़ा/मटका।

**लासकीय** वि. (तत्.) 1. लासक से संबंधित 2. लासक रोगग्रस्त, लासक रोग का रोगी।

**लासन** पुं. (तत्.) नाचने का भाव या क्रिया; (अं.) लौशिंग, जहाज बाँधने का मोटा रस्सा, जहासी।

**लासा** पुं. (तद्.) 1. लसवाला या लसीला कोई पदार्थ जिससे चीजें चिपकाई जाती हैं 2. बहेलियों द्वारा चिड़ियों को फँसाने के लिए प्रयोग किए जाने वाला लसवाला पदार्थ, चैंप, लेपन।

**ला-सानी** वि. (अर.) जिसकी सानी या समान कोई अन्य न हो, अद्वितीय, बेजोड़, अनुपम।

**लासि** पुं. (तत्.) लास्य, वासु।

**लासिक** वि. (तत्.) नाचने वाला, नर्तक पुं. नाचने वाला व्यक्ति।

**लासिका** स्त्री. (तत्.) 1. नर्तकी 2. वेश्या 3. उपरूपक का एक भेद।

**लासी** स्त्री. (देश.) सरसों, गेहूँ, आदि की कुछ फसलों में लगने वाला एक प्रकार का काले रंग

का बहुत छोटा कीड़ा जिसके लगने से फसल नष्ट हो जाती है या कम उपज देती है।

**लासु.** स्त्री. (तद्.) शव, लाश पुं. लास्य।

**लास्य** पुं. (तत्.) 1. नृत्य, नाच 2. गायन-वादन युक्त नृत्य 3. शृंगार आदि कोमल भावों के प्रदर्शक हाव भावों या भाव-भंगिमाओं से युक्त नृत्य तथा गायन-वादन वि. कोमल तथा मधुर।

**लाह** पुं. (तद्.) 1. लाभ या फायदा, मुनाफा 2. लाख, चपड़ा उदा. जाकी आँच अबहूँ लसत लंक लाह सी-कविता. -तुलसी, स्त्री. चमक, कांति, दीप्ति।

**लाहक** पुं. (तद्.) 1. आदर-सम्मान या कद्र जानने वाला व्यक्ति 2. चाहने वाला 3. लाभ स्वरूप प्राप्त होने वाला।

**लाहन** पुं. (देश.) 1. वह मजदूरी जो खलिहान से अनाज ढोकर लाने वालों को दी जाती है 2. गायों आदि के ब्याने पर पिलाई जाने वाली दवा 3. पशुओं को खिलाए जाने वाला महुए का वह फल जिसमें से मद्य खींच लिया जाता है, महुए की खली 4. जूसी और महुए को मिलाकर उठाया हुआ खमीर 5. किसी पदार्थ का किसी तरह उठाया गया खमीर।

**लाहल** अव्य. (अर.) लाहौल, घृणा और उपेक्षा सूचक एक उक्ति या कथन वि. जिसका कोई हल या निदान न हो।

**लाहा** पुं. (तद्.) 1. लाभ, फायदा 2. फल उदा. रामनाम -जपि लाहा कीजै- कबीर (पद 41) स्त्री. (देश.) सरसों के विविध प्रकारों में से एक-लाहा।

**लाही** वि. (तद्.) 1. लाल या लाखी रंग वाला स्त्री. लाख बनाने वाले लाल रंग के छोटे कीड़े 2. गन्ने की फसल में लगने वाला लाल रंग का एक छोटा कीड़ा 3. काली सरसों 4. तीसरी बार साफ किया हुआ शोरा।

**लाहु** पुं. (तद्.) 1. लाभ, फायदा 2. फल।

**लाहौरी नमक** पुं. (देश.) सेंधा नमक, सेंधवा।

**ला-हौल** अव्य. (अर.) घृणा और उपेक्षा सूचक एक शब्द या कथन, अरबी का कथन- "लाहौल व ला